26 अगस्त 2020

प्रेस विज्ञप्ति

यूजीसी-एचआरडीसीए जामिया ने जेंडर स्टडीज पर एक सप्ताह की ऑनलाइन वर्कशाप आयोजित की

यूजीसी-मानव संसाधन केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने आज से विश्वविद्यालय और कॉलेज के शिक्षकों के लिए जेंडर स्टडीज़ पर एक सप्ताह की ऑनलाइन वर्कशाप शुरू की।

इस वर्कशाप का मकसद कोविड-19 महामारी के हालात में जेंडर से जुड़े मुद्दों के हल ढूंढना है क्योंकि आज यह मसला हर किसी की चिंता का विषय है। इन चिंताओं को ध्यान में रखते हुए लिंग से संबंधित कई मुद्दों और चुनौतियों पर एक सप्ताह के इस पाठ्यक्रम में चर्चा की जाएगी।

जामिया की कुलपतिए प्रो नजमा अख्तर उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि थीं और यूजीसी की संयुक्त सचिव डा अर्चना ठाकुर सम्मानित अतिथि थीं। समारोह में देश के विभिन्न हिस्सों से 70 प्रतिभागियों अध्यापकों और कई रिसोर्स पर्सन ने भाग लिया।

जामिया में यूजीसी. ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट के निदेशक प्रो अनीसुर रहमान ने मुख्य अतिथि माननीय अतिथि और प्रतिनिधियों सहित सबका स्वागत किया और जेंडर स्टडीज पर कार्यशाला के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उन विषयों और उप.विषयों के बारे में बतायाए जिनकी चर्चा सप्ताह भर की कार्यशाला के दौरान विद्वानों द्वारा की जाएगी।

प्रो अख्तर ने कहा कि महिलाएं दुनिया की तकरीबन आधी आबादी हैं फिर भी उनके पास अपने मूल मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त आर्थिक राजनीतिक या सामाजिक ताकत नहीं है। लैंगिक समानता न केवल एक मौलिक मानवाधिकार है बल्कि एक शांतिपूर्ण समृद्ध और टिकाऊ दुनिया के लिए एक ज़रूरी बुनियाद है।

इस वर्कशाप की मेजबानी के लिए उन्होंने प्रो अनीसुर रहमान को बधाई दी।

डॉ अर्चना ठाकुर ने महिलाओं के मुद्दों से जुड़े सारगर्भित आंकड़े पेश किए और महिलाओं की तालीम से संबंधित कुछ योजनाओं और कार्यक्रमों को साझा किया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक